आग़ा ख़ान डिवलेपमेंट नेटवर्क

रंग तरंग

मार्च 2016

अधिक जानकारी के लिए, दिए गए कोड को स्कैन करें या
देखें http://www.nizamuddinrenewal.org एंव लाइक करें
www.facebook.com/NizamuddinRenewal

मुझे खुशी है कि इस बार के 'रंग तरंग' में बच्चों ने कहानियों और कविताओं के साथ कुछ अन्य जानकारियाँ भी दी है जो 'रंग–तरंग के इस इस अंक को न सिर्फ रोचक बनाती है बल्कि बच्चों को हँसाती और गुदगुदाती भी है। इस अंक में प्रकाशित सभी सामग्री बच्चों में निरन्तर विकसित हो रही सृजनात्मक एवं कलात्मक हुनर का एक जीता–जागता सबूत है। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि तो बढ़ ही रही है साथ ही वे अपनी कक्षा में बेहतर प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

उम्मीद है बच्चों द्वारा रचित और संकलित सभी कहानियाँ, कविताएँ, चुटकुले, पहेलियाँ, मुहावरे इत्यादि आपको जरूर पसन्द आयेंगे। बच्चों को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएँ।

शुक्रिया।

मिर्ज़ा इफ्तेख़ार हुसैन
प्रधानाचार्य

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय, निज़ामुद्दीन (पश्चिम), नई दिल्ली

निज़ामुद्दीन शहरी विकास नवीकरण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण । दक्षिण दिल्ली नगर निगम । केंद्रीय लोक निर्माण विभाग
आग़ा ख़ान फाउंडेशन । आग़ा ख़ान ट्रस्ट फॉर कल्चर

दो दोस्त

[k|'kck • V – B

बंदर और चींटी बहुत अच्छे दोस्त थे। बंदर चींटी की मदद करता तो कभी चींटी बंदर की मदद करती। दोनो साथ–साथ खेलते खाना खाते थे। बंदर मे आदत थी सबको चिढ़ाने की। इस आदत के चलते बंदर कभी–कभी चींटी को भी चिढ़ाता था। लेकिन चींटी कभी उसकी बात का बुरा नही माना।

एक दिन चींटी और बंदर एक दवात में गए। बंदर ने चींटी से मजाक किया ओर कहा भाई तू तो बहुत छोटी है। तू खाएगी। तेरा दावत में आने का क्या फायदा? इससे तो तू घर ही अच्छी थी।
चींटी को उस दिन बहुत बुरा लगा क्योंकि बंदर ने सबके सामने ऐसा कहा।

अब चींटी यह सोचने लगी कि क्या बंदर सच में मेरा दोस्त है? अगर वह मेरा सच्चा दोस्त होता तो कभी भी इस तरह सबके सामने नहीं चिढ़ाता। यह सोचकर चींटी बंदर से दूर रहने लगी और बात करना भी बंद कर दिया। बंदर को कुद समझ में नहीं आया।

वह सोचने लगा आखिर ऐसा क्या हुआ जो चींटी मुझसे बात नही कर रही। ऐसे ही कई दिन गुजर गए। एक दिन बंदर ने चींटी से पूछ ही लिया। चींटी भाई क्या हुआ जो तुम मुझसे बोलते नहीं? चींटी ने बंदर को समझाया और बताया कि तुम्हारी चिढ़ाने वाली आदत अच्छी नहीं है।

बंदर अब एहसास हुआ कि किसी को हमेशा नही चिढ़ाना चाहिए। उासने चींटी से माफी माँगी और वादा किया कि अब वह ऐसा कभी नहीं करेगा। उसे दिन के बाद बंदर चींटी फिर से अचछे दोस्त बन गए और साथ–साथ रहने लगे।

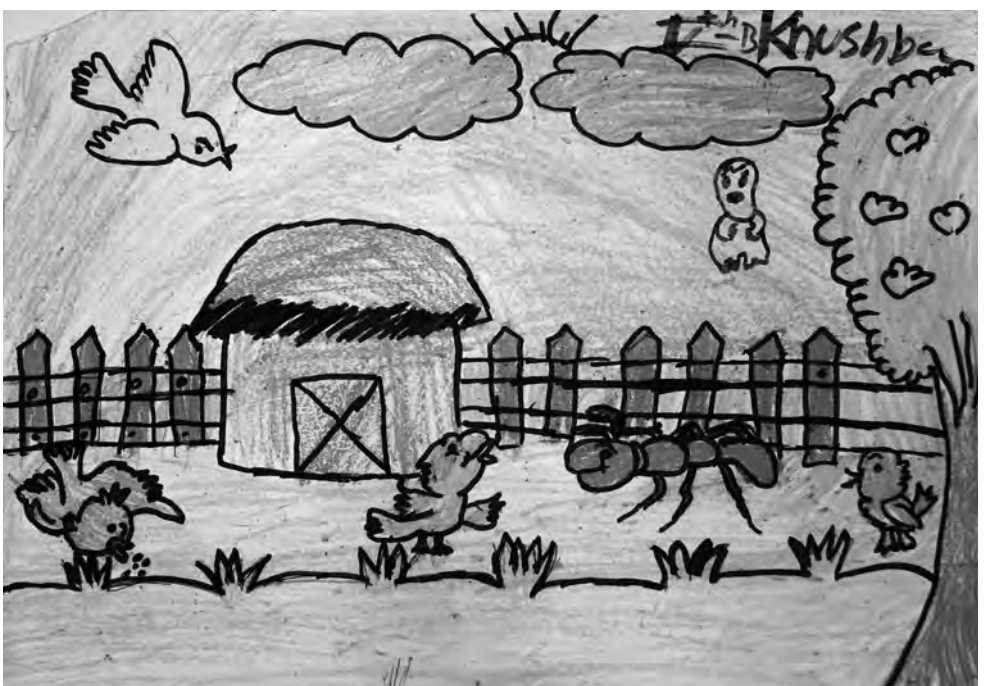

मेरे घर से स्कूल तक

Qkfrek • VII – C

जब मैं स्कूल आती हूँ। तो मुझे रास्ते में बहुत सारी दुकाने मिलती हैं। सबसे पहले एक मुर्गे वाले की दुकान है।

उसके बाद एक पराठें वाली दुकान आती है। वहाँ से मेरे पापा अक्सर मेरे लिए पराँठे लराते हैं। जो मुझे बहुत पसन्द हैं। उसके आगे एक सब्जी वाली है। मेरी माँ सब्जी यहीं से ख़रीदती है।

उसके आगे एक रोटी वालो की भी दुकान है जो नान बहुत अच्छी लगाता है। रास्ते में एक पार्क है जिसमें बहुत सारे पेड़ हैं। इन पेड़ों पर चिड़ियों के घोसले हैं। और बच्चे भी। पार्क के पास एक मोची है जिससे हम अपने जूते–चप्पल ठीक करवाते हैं।कुछ चाय को दुकाने आती है और एक पड़ित की भी दुकान आती है

आगे दो पटाखों दूकाने हैं। उसके बाद हमार स्कूल आता है मेरा स्कूल बहुत अच्छा है और मेरी कक्षा भी बहुत अच्छी है।

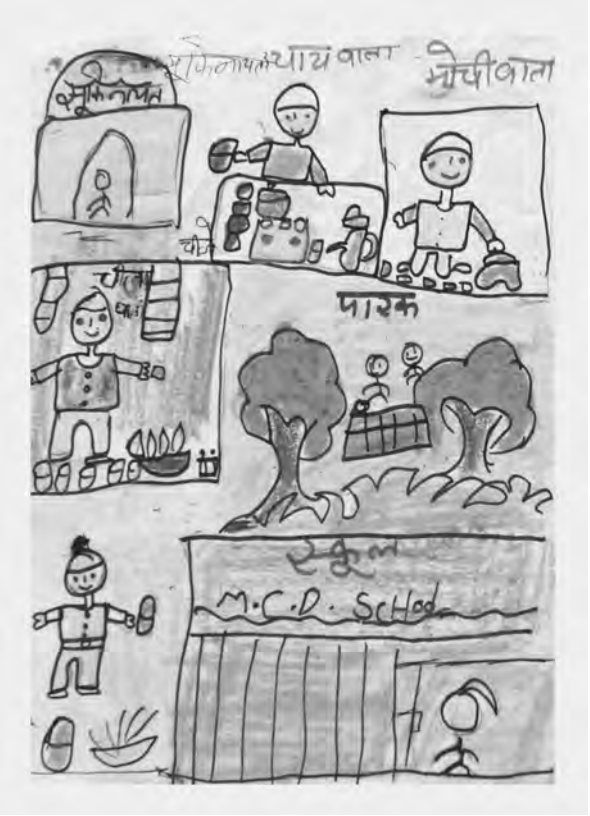

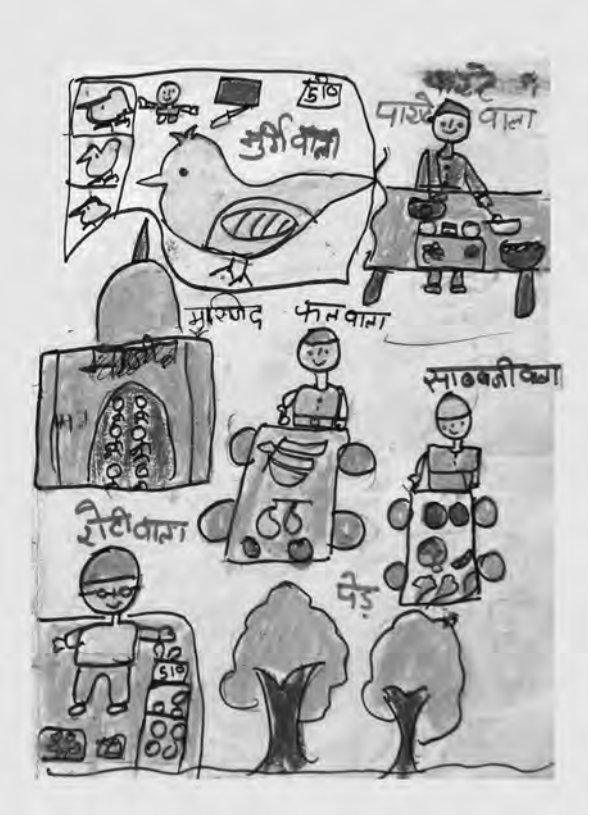

जादुई रंग-बिरंगा घोसला

यासमीन • VI – A

एक जगंल में एक जादुई पेड़ था उसे के ऊपर कुछ चीड़ियाँ रहती थी उनके कुछ छोटे–छोटे बच्चे भी थे। चीड़िया हर रोज़ जगल मे धूम–धाम के कुछ दाना लाती और बच्चों को खिलाती थी। उसका घोसला बहुत ही टूट–फूट गया था।

चिड़िया हर रोज़ जगंल से एक–एक पत्ता लाती और जमा करती रहती थी। एक दिन उसका एक बच्चा गायब हो गया। कुछ दिनों बाद कुछ और बच्चे गायब ही गए। चिड़िया ने बहुत ढूँढा मगर नही मिला। उसे लगा कि उसका घोसला टूटा–फूटा है। इसी लिए शायद बच्चे उससे गिर जाते हैं और कोई जानवर उन्हें खा जाता होगा।

यही साच कर चिड़िया बोली अब तो अब तो मुझे घोसला बनाना ही पड़ेगा ताकि मेरे बच्चे आराम से रह सकें और घोसले से गिरे न। कुछ दिनों बाद उसने तिनका–तिनका जमा कर के अपना नया घोसला बना ही लिया। चिड़िया फिर बच्चों के लिए दाना–पानी लेने बाहर जाने लगी। कुछ दिन बाद उसने देखा कि उसका घोसला का रंग कभी हरा हो जाता तो कभी–पीला। चिड़िया समझ गई ज़रूर इस पेड़ मे जादू है। चिड़िया डरी नहीं। पेड़ ने धीरे–धीरे सारे बच्चे को कैद में कर लिया।

चिड़िया ने एक दिन छुप कर देखा कि पेड़ ने उसके बच्चों को अपने तने के अन्दर छिपा रखा है। उसने सब बच्चों को कहा कि रआज रात को कोई भी नही सोयेगा। उस रात कोई बचचा नहीं सोया और सभी पेड़ के सोने का इंतज़ार करने लगे। जैसे ही पेड़ सोया चिड़िया ने उसके तने में कैद सभी बच्चों को एक–एक कर निकाल लिया और उनको दूसरी जगह ले गई। और फिर कभी उस जादुई पेड़ के पास नही गई। अब वह और उसके बच्चे खुशी–खुशी रहने लगे।

बिल्ली और बिल्ला

मो० शहनवाज़ • VII – B

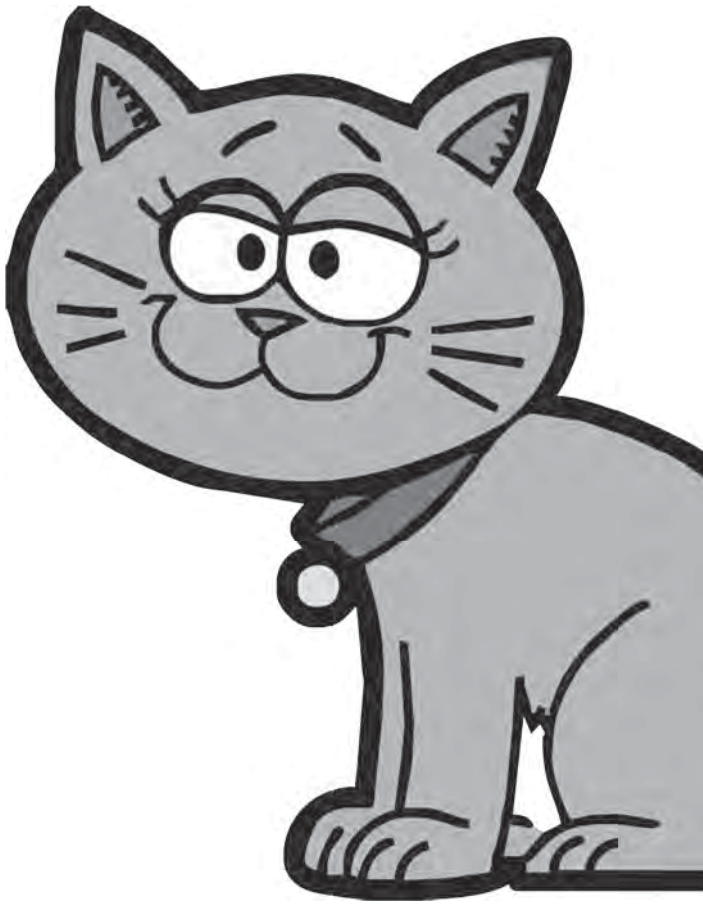

बिल्ली आई दिल्ली से
बिल्ली बिल्ला साथ में लाई
बिल्ली चूहा खाने आई
बिल्ली भागी चूहे के पीछे

आगे चुहा, पीछे बिल्ली
सबसे पीछे बिल्ला,
चूहा गया बिल में सीधे
बिल्ली गयी बिल में, उसका मुहँ अटका

बिल्ला रोया, बिल्ली चीखी
बिल्ली बोली, नहीं भागुंगी अब मैं
कभी चूहे के पीछे।
बिला बोला नही खाना अब मुझे चूहा
सुन कर चूहा हँसा – हा–हा–हा

चंदा मामा

अमजद • II – A

चंदा मामा मेरे सपनों मे आना
मेरे देश को बगिया सा सजाना।

जहाँ हर फूल मुस्कुराया,
गमों के न बादल आए।

चंदा मामा मेरे सपनो में आना,
मेरे देश को बगिया सा सजाना।

जहाँ ना कोई छोटा–बड़ा हो,
हर तरफ खुशियों की बौछार हो।

चंदा मामा मेरे सपनों में आना,
मेरे देश को बगया सा सजाना।

रमेश को मिला जादुई चिराग

mljk • V–B

एक दिन रमेश पार्क मे खेल रहा था। रमेश को खेलत–खेलते शाम हो गई। रमेश घबराने लगा कि अब घर जाऊँगा तो मम्मी डाँटेगी इतनी देर कहाँ हो गई।

रमेश डरता हुआ अपने घर जा रहा था तभी उसे किसी चीज़ से ठोकर लगी और वह गिर पड़ा। उसने सोचा आखिर वो गिरा कैसे? नीचे देखा तो वहाँ एक पुराना सा चिराग था। रमेश कुछ देर तक चिराग देखने लगा। चिराग बहुत गंदा सा थ। उसने चिराग को साफ करना चाहा तभी उस चिराग में से एक बड़ा सा जिन्न निकला और बोला मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ?

रमेश घबरा गया। उसने पूछा तुम कौन हो? जिन्न ने कहा मैं इस चिराग कई सालों से कैद था। आज तुमने मुझे आज़ाद किया। इसीलिए मै तुम्हारी मदद करना चाहता हूँ।

रमेश ने कहा कुछ ऐसा करो कि मेरी मम्मी घर जाने पर मुझे डांटे नही। जिन्न ने कहा ठीक है। रमेश घर पहुँचा तो सचमुच इस बार उसकी माँ उसे बिलकुल भी नहीं डाँटा बल्कि प्यार से उसे अपने पास बिठाया और अपने हाथों से खाना भी खिलाया। रमेश को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह समझ गया यह सब चिराग के जिन्न का कमाल है।

रमेश अब उस चिराग को हमेशा अपने साथ रखता है और जिन्न भी उसकी हर काम में मदद करता रहता था।

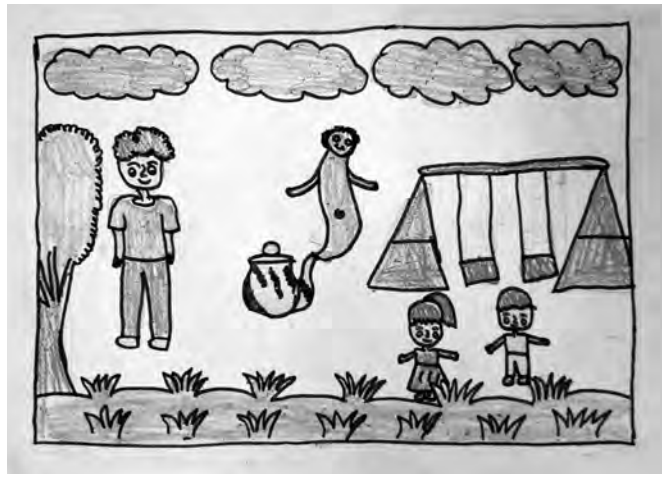

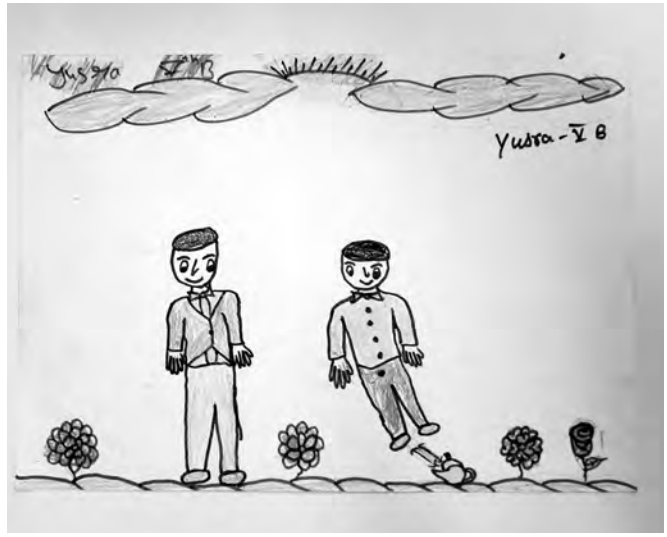

भारतीय रेलवे का समान्य ज्ञान

ख़ैरुल • V – B

1. भारतीय रेलवे में सबसे अधिक लम्बाई किस जोन की है?
   उत्तरी रेलवे

2. भारत की पहली रेल कहाँ से कहाँ तक चली?
   बम्बई (वर्तमान) से थाने तक

3. रेल इन्जिन के अविष्कारक कौन थे?
   जॉर्ज स्टीफेंसन

4. भारत मे रेल का आरम्भ किस सन् से हुआ?
   सन् 1853

5. भारत के दक्षिण के अन्तिम बिंदु पर कौन सा रेलवे स्टेशन है?
   कन्या कुमारी

6. भारत की सबसे तेज़ चलने वाली रेलगाड़ी कौन सी है?
   शताब्दी एक्सप्रेस

सामान्य ज्ञान

इकरा • IV – C

1. विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान **सहारा** है।
2. भारत की सबसे लम्बी सुरंग **जवाहर सुरंग**, जम्मू कश्मीर में है।
3. भारत में **मानसूनी पवन** वर्षा लाती है।
4. भारत की सबसे बड़ी मस्जिद **जामा मस्ज़िद**, दिल्ली है।
5. सबसे अधिक गेहूँ का उत्पादन करनें वाला राज्य **पंजाब** है।
6. विश्व की सबसे लम्बी नदी **नील नदी** है।
7. सोयाबीन सबसे अधिक **मध्य प्रदेश** में पैदा होता है।

मुहावरें

lkfu;k • II – C I jk'kuh o vuojh • IV – C

1. vDy ij iRFkj iMuk : बुद्धि नष्ट होना
2. viuk mYy lh/kk djuk : अपना मतलब पूरा करना
3. bn dk pkn gkuk : बहुत दिनों बाद मिलना
4. vDy dk n'eu : मुर्ख
5. viuk mYy lh/kk djuk : स्वार्थ सिद्ध करना
6. vkleku flj ij mBkuk : बहुत शोर करना
7. vkdk'k ikrky ,d djuk : बहुत परिश्रम करना
8. vkLrhu dk lki : कपटी मित्र
9. mxyh ij upkuk : अपनी इच्छानुसार काम करवाना
10. v/k dh ydMh : एक मात्र सहारा
11. vk[k yxuk : नींद आना

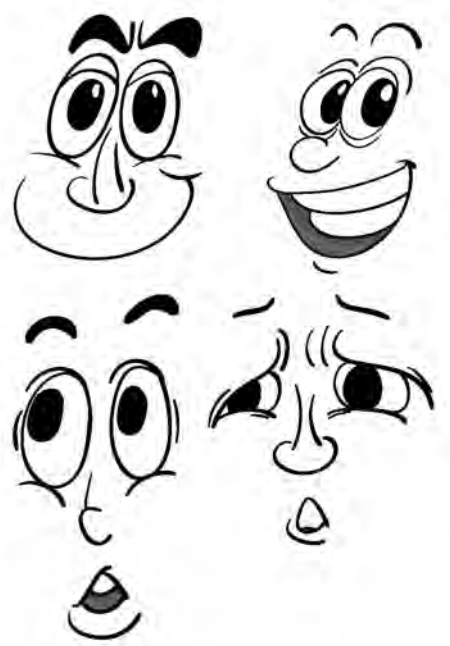

आलू का परांठा

rlehuk • III – A

देख परांठा आलू का,
मन ललचाया भालू का।
बोला हम भी खायेंगे,
कुछ घर पर ले जाऐगें।
कहे लोमड़ी ना ना ना,
ये घर पर ले जाना ना।
इतने सेक न पाऊँगी,
खुद भूखी रह जाऊँगी।

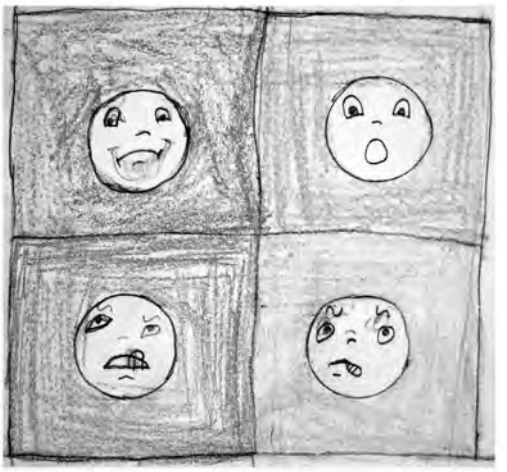

बूझो तो जानें?

1

छोटी सी छोकरी लाल बाई नाम है।
पहने है घाघरा एक पैसा दाम है।
सब के मुँह में आग लगाए।
ज्यादा तो खाए उसे रोना आए।

2

तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी।
न भाड़ा न किराया दूँगी।
घर के हर कमरे में रहूँगी।
पकड़ न मुझको तुम पाओगे।
मेरे बिन तुम न रह पाओगे।

3

गर्मी में तुम मुझको खाते।
मुझको पीना हरदम चाहते।
मुझको प्यार बहुत करते हो।
पर भाप बनूँ तो डर जाते हो।

4

मुझसे भार सदा ही रहता।
जगह घेरना मुझको आता।
हर वस्तु से गहरा रिश्ता।
हर जगह मै पाया जाता।

5

लोहा खीचूँ ऐसी ताकत है।
पर रबड़ मुझे हराता है।
खोई सूई पा लेता हूँ।
मेरा खेल निराला है।

6

काली काली माँ।
लाल लाल बच्चे।
माँ जाए जिधर।
उधर जाएँ बच्चें।

8

अगर नाक पे चढ़ जाऊँ।
कान पकड़ कर तुम्हें पढ़ाऊ।

7

मैं मरु मैं कटू।
तुम क्यों रोते हो।

10

खरीदने पर काला।
जलाने पर लाल।
फेंकने पर सफेद।

9

काला घोड़ा सफेद सवारी।
एक उतरा तो दूसरे की बारी।

11

काली हैं पर काग नहीं।
लम्बी हैं पर नाक नहीं।
बलखाती पर बेल नहीं।

12

बताओ भईया एक पहेली।
जब छीली तो नई नवेली।

13

ऐसी कौनसी चीज़ है।
जिसका आना भी ख़राब।
और जाना भी ख़राब।

14

लाल घोड़ा रुका रहे।
काला घोड़ा भागे जाऐ।

15

हरी थी मन भरी थी।
लाख मोती जड़ी थी।
राजाजी के बाग में दुशाला।
ओढ़े खड़ी थी।

16

दो भाई एक जैसे।
गहरा उनका नाता।
एक बिछड़ जाए।
तो दूजा किसी काम न आता।

17

ऊपर से नीचे बहता हूँ।
हर बरतन को अपनाता हूँ।
देखो मुझको गिरा न देना।
वरना कठिन है वापस भरना।

18

ऐसा कौन सा पानी है।
जो बहता नही है?

1. लाल मिर्च 2. हवा 3. पानी 4. गैस 5. चुंबक 6. रेल 7. प्याज 8. चश्मा 9. तवा, रोटी 10. कोयला
11. चोटी 12. पेंसिल 13. आँखें 14. आग, धुआं 15. भुट्टा 16. जूता 17. पानी 18. बर्फ

कामरान • III – A । **रोशनी** • V – C । **सबा** • V – C । **नजमी** • V – C
नजमी • V – C । **इंशा** • V – C । **सना** • V – C । **अशहदुर** • V – C

अनमोल वचन

“ऐसे मत जिओ कि तुम
कल मरने वाले हो
ऐसे सीखों की तुम हमेशा के
लिए जीने वाले हो।”

(महात्मा गाँधी)

“आप अपना भविष्य नही
बदल सकतें, पर अपनी आदतों
को बदल सकते हैं
और बदलती हुई आदतें
आप का भविष्य बदल देगी।”

(डॉ0 ए. पी. जे अबुल कलाम)

Definitions

E : Educated
D : Dedicated
U : Unique
C : Cheerful
A : Active
T : Talented
I : Intelligent
O : Obedient
N : Net worth

T : Talented
E : Educated
A : Active
C : Cheerful
H : Helpful
E : Effective
R : Respected

क्या आप जानते है ?

मोहम्मद नूर • मदरसा जामिया अरबिया निज़ामिया, मदीना मस्जिद

कार से सवारी कम से कम करें
कार में पेट्रोल या डीज़ल के जलने से
ज़हरीली गैस निकलती है
इसलिए सरकार ने सिटी बस चलाई हुईं हैं
बस में एक ही समय पर ज़्यादा
लोग बैठ कर एक स्थान से दूसरे
स्थान जा सकते है
साथ ही पैसा भी कम ख़र्च होता है
आइये हम सब यह तय करें कि
हम ज्यादा से ज्यादा बस की सवारी करेंगे

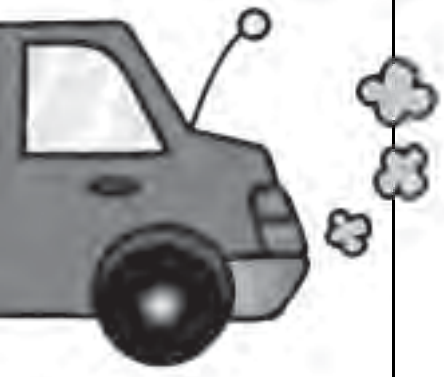

Nature – Gods Best Creation

Muskan • III – B

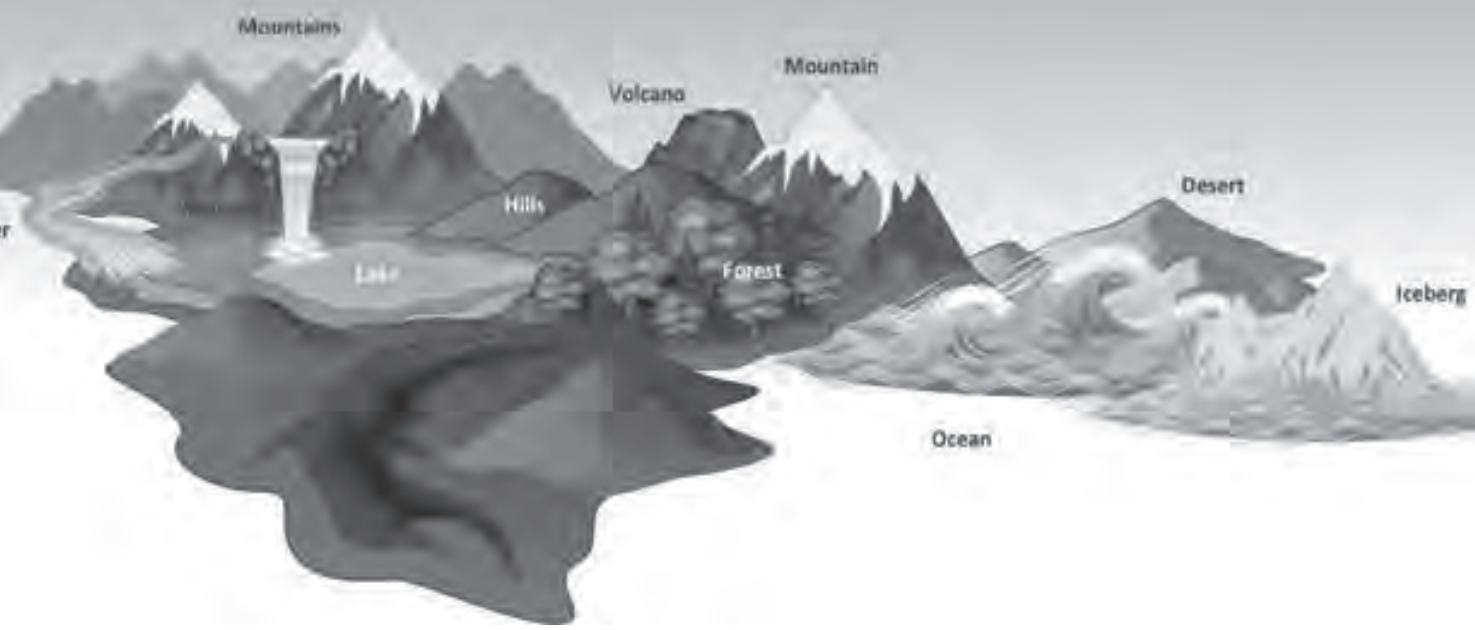

Nature is god's best creation. The most beautiful, most amazing and most fascinating. It has great secrets fascinating features and facts that would make you say i don't believe that worlds longest is in Antarctica. There are 3 types of desert, cold desert, wet desert and dry deserts. Nature resources are dependent on each other in every way.

Plants are the only source of energy. They gives us different kind of foods.

गणतन्त्र दिवस

साकिब • V – B

गणतन्त्र दिवस हमारा राष्ट्रीय त्योहार है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। हमारा देश 15 अगस्त सन 1947 को आजाद हो गया था। तभी से हमारे देश के प्रमुख नेता एंव कानून के जानकार आपने देश का संविधान तैयार करने मे लग गए। उनकी कठोर मेहनत और लगन से हमारे देश का संविधान तैयार हुआ। और 26 जनवरी 1950 को हमारे देष का संविधान लागू किया गया। डा० राजेन्द्र प्रसाद को हमारे देष का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।

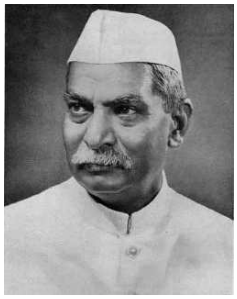

राजेन्द्र प्रसाद
भारत के प्रथम राष्ट्रपति

गणतंत्र दिवस का समारोह दिल्ली में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। राष्ट्रपति षाही बग्घी में सवार होकर विजय चौक पर आते हैं व अमर जवान ज्योति पर पुष्प अर्पित करते हैं।
भारत के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति का स्वागत करते हैं।
भारतीय सेना की चुनी हुई टुकड़ियाँ अपने कला को पेश करती हैं। सभी राज्यों की सुन्दर–सुन्दर झाकियाँ अपनी कला का प्रदर्शन करती हैं। स्कूल के बच्चे अपनी अपनी कला दिखाते हैं। इसी दिन वीर जवानों को पुरस्कार भी दिए जाते हैं। रात को सभी सरकारी इमारतों पर रोशनी की जाती है।

गणतंत्र दिवस के दिन विद्यालय की छुट्टी होती है इसलिए हम स्कूल में यह समारोह एक दिन पहले मनाते हैं। इस दिन विद्यालय में झंडा फहराया जाता हैं। यह पर्व हमे उन वीरो की याद दिलाता है जिन्होने हमे आज़ाद कराया।

(इस वर्ष गणतन्त्र दिवस समारोह के मौके पर कक्षा 5 के छात्र अहमद रज़ा द्वारा बच्चों को दी गई जानकारी)

क्यूँ? हस पड़े ना..

खैरुल • V – B

1

माँ – राजू तुमने छोटू को क्यों पीटा?
राजू – वो मेरी बात का जवाब नहीं दे रहा था।
माँ – उसे अभी बोलना ही कहाँ आता है।
राजू – तो उसे बोलना चाहिए था कि उसे बोलना नहीं आता।

2

टीचर – हमारी क्लास में सबसे ज्यादा कौन से शब्द का इस्तेमाल होता है?
बच्चा – सर! मुझे मालूम नहीं।
टीचर – बहुत अच्छा! बैठ जाओ!

3

टीचर – जिसको सुनाई नही देता उसको क्या कहेंगे?
बच्चा – कुछ भी कह दो कौन सा उसे सुनाई देता हैं।

4

टीचर – पैसा या अकल दोनों में से तुम क्या चुनोगे
बच्चा – पैसा! क्योंकि जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही चुनता है।

5

रामू ने नई–नई अंग्रेजी सीखी। वह एक फलवाले से बोला " भइया एक ***'पोटेटो फीवर'*** देना"
फलवाला – वह क्या होता है?
रामु – अरे इतनी भी अंग्रेजी नही जानते मेरा मतलब 'आलु बुखारा'

6

टीचर बच्चो से – यदि कोई व्यक्ति एक गधे को बिना वजह मारे और मैं जाकर उसे बचा लूँ तो बताओ उसे क्या कहेंगे?
बच्चा – सर इसे भाईचारा कहेंगे।

7

मैडम बच्चों से – बच्चों भालू के इतने बड़े–बड़े बाल क्यों होते हैं?
बच्चे बोले – मैडम। क्योंकि जंगल में नाई नहीं होता है।

8

टीचर – पप्पू बताओ साइक्लोन किसे कहते है?
पप्पू – सर साईकिल के लिए जो लोन लिया जाता है उसे साइक्लोन कहते हैं।

9

मास्टर – बच्चों बताओ भारत का झंड़ा सबसे पहले कहाँ लगा था?
छोटू सोच कर – जी डंडे पर।

11

पापा – बेटा तेरी मम्मी आज चुप कैसे बैठी है?
बेटा – कुछ नहीं पापा! मम्मी ने लिपस्टीक माँगी थीमैंने फेविस्टीक दे दी।

10

माँ – पप्पू बेटा हाथ जल गया ज़रा टूथपेस्ट लाना।
पप्पू – नही माँ मेरे टूथपेस्ट में नमक है दुनियां वाले सोचेंगे बेटे ने जले पे नमक छिड़क दिया।

12

संता ऑटो से घर लौटते हुए – कितने पैसे हुए?
चालक – जी 50 रुपये
संता – ये तो 25 रुपये
चालक – आधे पैसे क्यों?
संता – तुम भी तो बैठ के आये हो।

13

टीचर नीतू से – विटामिन–सी सबसे ज्यादा किस में है?
नीतू – मिर्च में
टीचर – वह कैसे?
नीतू – मिर्च खाते ही सब सी–सी करने लगते हैं!

बुरे का फल

अमीना • IV – B

एक क्रूर राजा अपनी प्रजा पर बहुत अत्याचार करता था इसलिए प्रजा हमेशा उसका अहित चाहती थी। प्रजा को लगता कि राजा या तो मर जाये जा फिर उससे उसका राज्य छिन जाये।

वह किसी भी हाल मे राजा से मुक्ति पाना चाहती थी। लेकिन एक दिन अचानक लोगों ने देखा कि राजा में परिवर्तन आ गया अब वह राजा प्रजा के हित की बाते सोचने लगा उसमें आया परिवर्तन मंत्रियों और प्रजा ने भी अनुभव किया। आखिर एक बुजुर्ग मत्री ने साहस बटोरकर राजा से उसकी इस हृदय परिवर्तन का का कारण पूछ ही लिया।

राजा मुस्कुराया और बोला " सुनो मैं सबको बताता हूँ यह बदलाव मेरे मन में क्यों आया? एक दिन मैं जब जंगल मे गया था तो मैने देखा कि एक खरगोश को एक लोमड़ी ने खा लिया है।

थोड़ी दूर जाने के बाद मैनें देखा कि उस लोमड़ी पर एक कुत्ते ने हमला किया और उसके पैर में काट खाया। कुत्ता जब गाँव में लौटा तो वह एक आदमी पर भौंका उस आदमी ने पत्थर उठाकर कुत्ते को मार दिया। जिससे उस कुत्ते का पैर जख्मी हो गया।

आदमी आगे चला तो रास्ते में खड़े एक घोड़े ने उस पर दुलत्ती झाड़ी। वह ज़मीन पर गिर गया उसकी दोनो टाँगें बेकार हो गयीं वह जीवन भर के लिए अपाहिज हो गया। घोड़ा जब दौड़ने लगा तो एक खड्डे में जा गिरा उसकी टाँग भी टूट गयी। यह सब देखकर मेरे मन में ख्याल आया कि बुरा काम करो तो उसका फल बुरा ही मिलता है।

मैने अब तक सिर्फ बुरा किया अब पता चलने के बाद भी अगर मै बुरा बर्ताव ही करता रहूं तो मुझे उसका फल भी बुरा ही मिलेगा। इस ख्याल ने मेरी जिंदगी बदल दी और मैने फैसला किया कि अब से मैं किसी पर कोई अत्याचार नही करुंगा अपनी प्रजा की मैं पूरी देख भाल करुंगा।

शरारती बंदर और सलमा की चालाकी

अमीना • IV – B

एक गाँव था। नाम था पालम पुर। वहाँ के लोग सुख शान्ति के साथ रहते थे। मगर एक समस्या थी उसी गाँव में एक बंदर रहता था जिसका नाम था चींकू। चिंकू केले के पेड़ पर रहता था। वह बहुत षरारती था। गाँव वाले उस से बहुत परेशान थे। वे रोज़ रात को एक योजना बनाते मगर वह बंदर उनकी पकड़ में आ ही नही रहा था।

एक दिन गाँव की कुछ औरते कुएँ में पानी भरने जा रही थीं। चींकू ने उन सबके मटके फोड़ डाले। बेचारी सारी की सारी औरतें उदास मन से वापस घर चली आईं। सलमा को जब पता चला तो उसने उस बंदर को सबक सिखाने के लिए मन में ठान लिया। उसके घर के पिछवाड़े एक बड़ा सा पिंजड़ा कई दिन से बेकार पड़ा था।

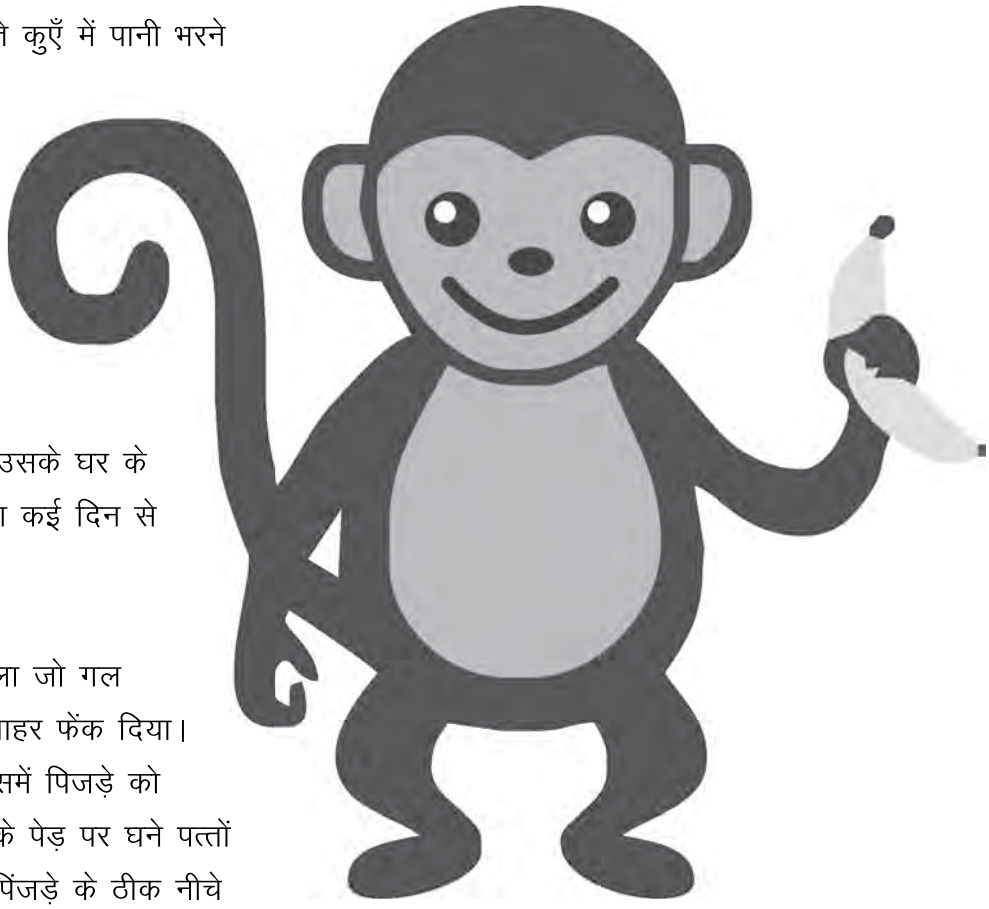

उसने पिंजड़े के नीचे का तला जो गल चुका था, उसे निकाल कर बाहर फेंक दिया। एक बड़ी सी रस्सी लेकर उसमें पिजड़े को बाँध दिया और और बरगद के पेड़ पर घने पत्तों के बीच उसे लटका दिया। पिंजड़े के ठीक नीचे उसने ढेर सारे अमरूद डाल दिए और बंदर के आने का इंतज़ार करने लगी। बंदर ने जब ढेर सारे अमरूद देखे तो उसके मुँह में पानी आ गया। वह लपक कर अमरूदों पर झपटा। और जल्दी–जल्दी खाने लगा। बस फिर क्या था। सलमा ने तनिक भी देरी न की और उसी समय रस्सी को ढीला छोड़ दिया। बेचारा बंदर पिंजड़े में फँस कर रह गया।

गोल रोटी

vetn • II–A

एक दिन माँ ने रोटी बनाई
पापा दादी बहन और भाई
सबने ने मिलकर रोटी खाई
पर माँ के लिए नही बचाई

भूखी–प्यासी माँ आई
और बोली रोटी कहाँ है भाई?
पापा दादी बहन और भाई
बोले मिलकर सारी रोटी हमनें खाई
माँ यह सुनकर पछताई
हाय मेरे लिए रोटी न बचाई

भोला और भालू

vetn • II–A

हुआ सवेरा मुर्गा बोला
घर से चला टहलने भोला
मिला राह में उसको भालू
लगा माँगने रोटी आलू

आलू बिकने गया हाट में
भालू सोने गया खाट में
टूटी खाट गिर पड़ा भालू
अब न चाहिए रोटी आलू

जादुई महल

रोशना • IV – C

एक जादुई महल था। उस महल में राजा, रानी और उनके सिपाही रहते थे। एक दिन राजा जंगल में शिकार खेलने के लिए गया। वहाँ उसे एक छड़ी मिली। छड़ी बहुत ही खूबसूरत थी। राजा ने उसे अपने पास रख लिया।

जंगल में राजा को भटकते–भटकते शाम हो गई। उसके हाथ कोई शिकार भी नहीं लगा। राजा और सिपाही बुरी तरह थक चुके थे। सभी को ज़ोरों की प्यास लगी थी। उनके पास जो पानी था वह ख़त्म हो चुका था। छड़ी राजा के हाथ में थी।

राजा ने मन में कहा काश कहीं से थोड़ा सा पानी मिल जाए। अचानक छड़ी से आवाज़ आई "अभी हाज़िर करती हूँ मेरे आक़ा" और कुछ ही पलों में वहाँ एक नदी वह चली। बस फिर क्या था राजा समेत सभी सिपाहियों और घोड़ों ने पेट भर कर पानी पिया। उस दिन के बाद से राजा को किसी भी चीज़ की ज़रुरत होती तो जादुई छड़ी उसे लाकर दे देती थी। राजा और उसकी प्रजा चैन की नींद सोने लगे। अब उन्हें किसी बात की कोई चिन्ता नहीं थी। और न ही किसी दुशमन का डर।

एक दिन राजा ने किसी काम के लिए सिपाहियों को जंगल में भेजा। वहाँ उन्हें एक परेशान हाल परी दिखाई दी। उन्होनें परी से पूछा कि वह इतनी परेशान क्यों है। परी बोली "मेरी जादू की छड़ी कहीं खो गई है। क्या आापने उसे कहीं देखा है?" सिपाही परी को महल मे ले गए और राजा को सारी बात बताई। राजा ने परी को वह छड़ी दिखाई और पूछा "कहीं वह छड़ी यह तो नहीं?" परी खुशी से नाच उठी और बोली " अरे! यही तो है मेरी छड़ी" राजा ने छड़ी परी को दी और कहा लो ले जाओ अपनी छड़ी।

परी ने छड़ी अपने पास रख ली और बोली आज के बाद आपको जो भी चीज़ चाहिए, मैं इस आपको लाकर दुंगी। उसके बाद उस राज्य की प्रजा खुषी–खुशी रहने लगी। यह देखकर राजा और रानी को बहुत खुशी हुई।

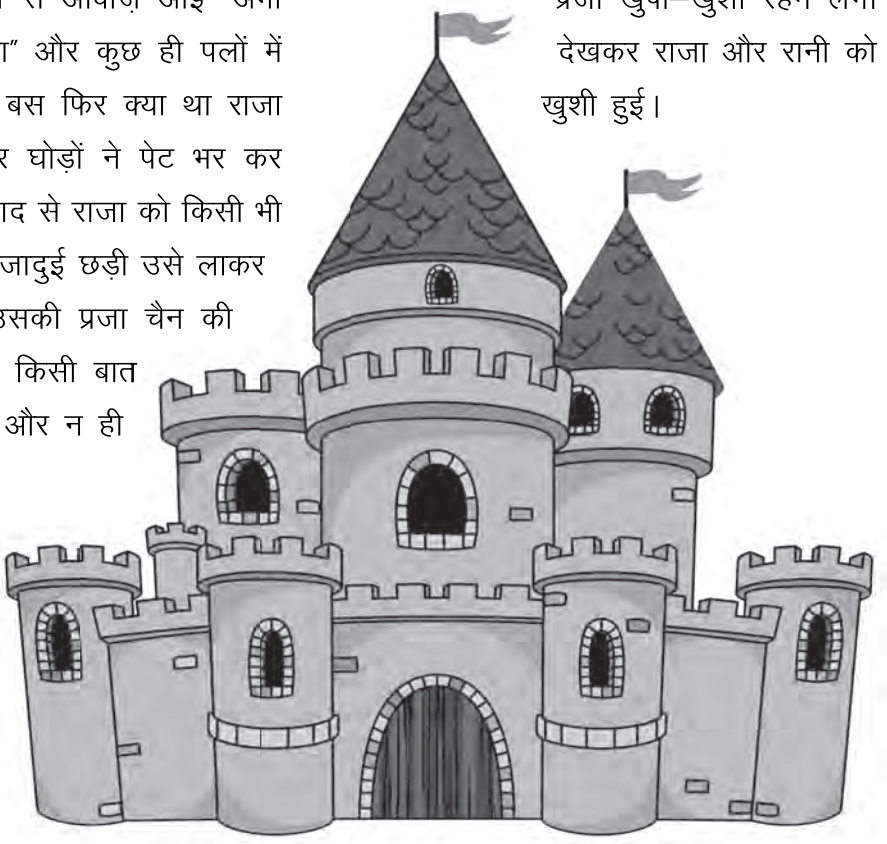

डॉक्टर भैया

vetn • II–A

बने डॉक्टर छोटे भैया,
फीस माँगते एक रुपैया

जब इलाज को पहुँची गुड़िया
उसे थमा दी मीठी पुड़िया।

गुड़िया

vetn • II–A

छोटी सी गुडिया
लाल गुलाबी चिड़िया।

तिल्लें वाला सूट
नोनें नोनें बूट।

नर्सरी में पढ़ती है
सबको टाटा करती है।

राष्ट्रीय झण्डा

vetn • II–A

यह हमारा राष्ट्रीय झण्डा है
हमारे झण्डे में तीन रंग है

केसरी, सफेद, हरा
केसरी बहादुरी का चिह्न है

सफेद शान्ति का चिह्न है।
हरा खुषहाली का चिह्न है।

हम सब इसे आदर से सलाम करते हैं

बिल्ली गई दिल्ली

अमजद • II – A

बिल्ली गई दिल्ली...

दिल्ली में था बंदर
लाल किले के अंदर।

बंदर ने दी मूँगफली
बिल्ली उसे लेकर चली।

रस्ते में था भालू
भालू ने बोला में खालू।

बिल्ली ने मारा पंजा
भालू हो गया गंजा।

देश रंग

अमजद • II – A

देश रंग का अमर हमारा
हमको है जान से प्यारा।

यह हमारी देष की आन
इससे है भारत की षान।

पेड़

अमजद • II – A

मेरी जड़ें
नहीं दिखती तुम्हें।

लेकिन वो
ज़मीन के नीचे।

गहराई तक फैली हुई
वही सोखती ज़मीन से पानी।

मेरी प्यास बुझाने को
मुझे पत्तों से सजाने को।

मैं तोता

आफरीन • V – A

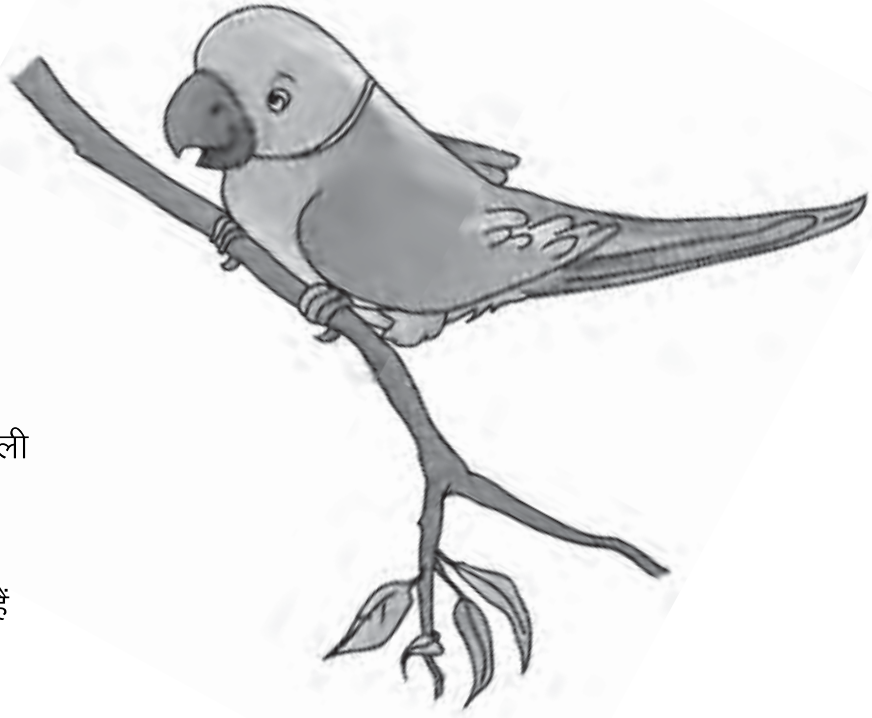

तोता हरे–हरे पर वाला
पहने कंठा लाल और क

लाल–लाल है चोंच नुकीली
आँखे कैसी नीली–पीली

कुतर–कुतर फल खाता हैं
टैं–टैं–टैं चिल्लाता है

किसकी आँखों में क्या है?

फिरोज • V – B

1. माँ की आँखों में – **ममता**
2. पिता की आँखों में – **फर्ज़**
3. भाई की आँखों में – **प्यार**
4. बहन की आँखों में – **स्नेह**
5. मित्र की आँखों में – **सहयोग**
6. दुष्मन की आँखों में – **बदला**
7. अमीर की आँखों में – **घंमड**
8. गरीब की आँखों में – **आशा**
9. लोगों की आँखों में – **दया**
10. बच्चों की आँखों में – **आदर**

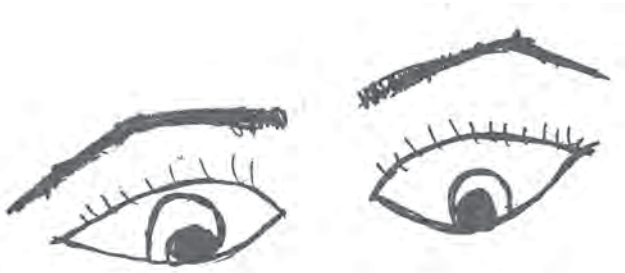

Our Country India

Divya • V – B

India is our country. It is our motherland. We love it and called it Bharat Mata. It has beautiful land, rivers, mountain, Plants, and big cities.

Delhi is the capital of India. Our country produced many saint and brave persons like Akbar Gandhiji, Pt. Nehru, Ashoka, Bhagat Singh and Peoples of India are different kinds. They are all Indians. India is a loving country.

मेरा विद्यालय

साकिब • V – B

मेरा नाम साकिब है। मेरे स्कूल का नाम दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय निज़ामुद्दीन वेस्ट है। मैं आपको अपने स्कूल के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ।

हमारे स्कूल में बहुत सी प्रतियोगिताएँ होती है। जिसमें वाद–विवाद, संगीत, बालगीत, भाषण, चित्रकला, सुलेख, खेलकूद आदि हाते हैं।

मेरे स्कूल से बच्चे बालमेला, विज्ञान मेला और क्षेत्रीय मेला में जाते है। मेरे स्कूल में माता–पिता के लिए निर्देष है कि वह बच्चों को प्रतिदिन समय पर विद्यालय भेजें बच्चों को थाली एवं चम्मच धोकर भेजें। बच्चों का व्यवस्थित करके भेजें और साफ भेजें। यदि आपके घर के पते में काई बदलाव व पता बदलता विद्यालय में जरुर बताएँ।
बच्चों की डायरी पढ़ें।

कंप्यूटर

साकिब • V – B

मेरा नाम इक़रा है। मैं कक्षा 4 'सी' में पढ़ती हूँ। हमारे स्कूल में एक बड़ी सी कंप्यूटर लैइ है। हम सबने कंप्यूटर के बारे में बहुत सी बातें सीखी हैं। कम्पयूटर एक बिजली से चलने वाली एक मषीन है। आजकल यह हर ऑफिस, स्कूल, कॉलेज, मॉल और घर में इस्तेमाल की जाती है। कंप्यूटर हमारे काम को बहुत जल्दी और आसानी से कर देता है हम कम्पयूटर से कार्टून, चित्रकला और बहुत सारे खेल भी खेल सकते हैं।

कम्पयूटर के भाग –

मॉनीटर   की–बोर्ड
माउस   सी.पी.यू
यू.पी.एस

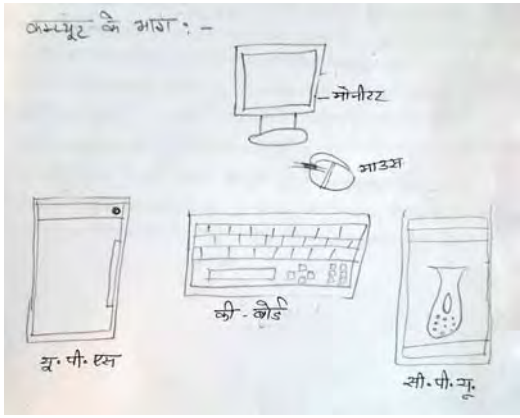

काली चींटी

vetn • II–A

ओ हरें पेड़ तुम सुख क्यों गए?
क्योंकि मुझे काली गाय चबा गई

काली गाय तुम पेड़ को क्यों चबाएँ?
क्योंकि चरवाहे ने मुझे चारा नही डाला

ओ चरवाहे तुमने गाय को चारा क्यों नहीं डाला?
तेरी काकी ने मुझे खाना नहीं दिया

ओ काकी चरवाहे को खाना क्यों नही दिया?
क्योंकि मेरा मुन्ना रो रहा था

ओं मुन्ने तुम रो क्यों रहे थे?
क्योंकि मुझे काली चींटी ने काटा

ओ काली चींटी तुमने मुन्नें को क्यों काटा?
क्योंकि उसके हाथ में मीठा था

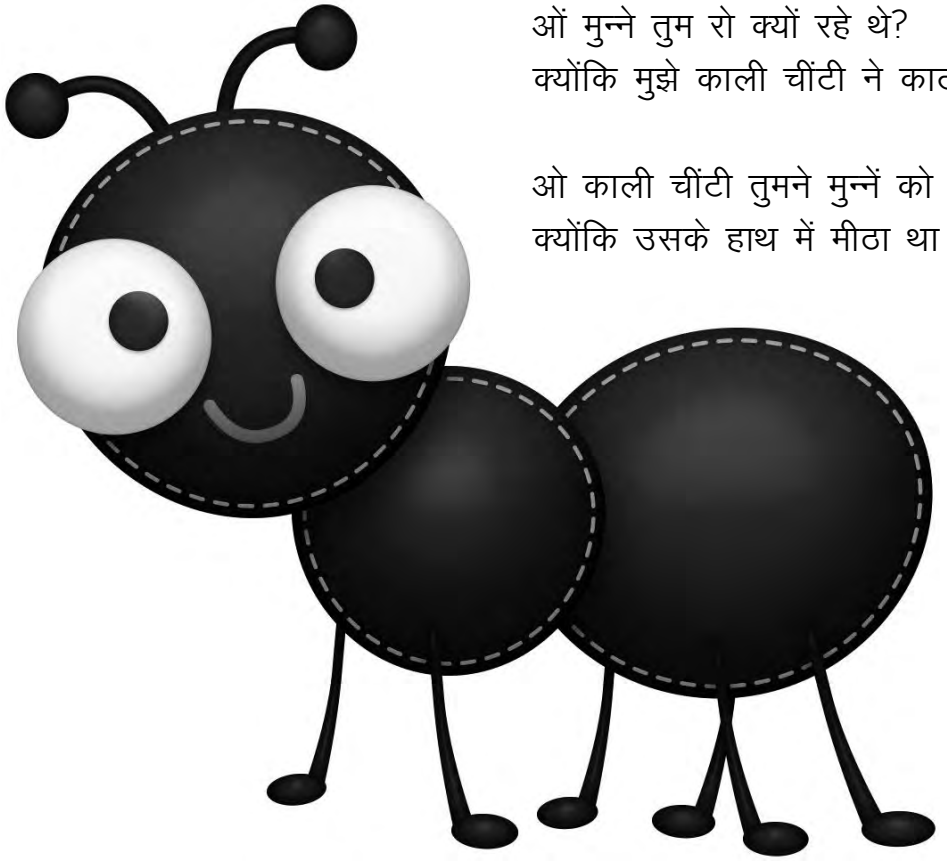

तोते जी की सीख

अमजद • II – A

तोते जी ने खूब सिखाया
अच्छा–अच्छा गाना
सब चिड़ियों ने सच्चे मन से
कहना उनका माना

लेकिन कौआ कभी न बैठा
कक्षा में चुप करके
कुट–कुट खाता रहा निबोली
पेड़ों पर छिप करके

कोयल ने समझाया उसको
पर वह समझ नही पाया।
कुहू–कुहू से उसको
अपना काँव–काँव ही भाया।

सहपाठी की जिद से हारी
कोयल छिपकर गाती
अपनी मीठी तान सुनाकर
सबका मन बहलाती।

Ist – A

Ist – C

Ist – B

Ist – C

Nursery

IIIrd – A

IIIrd – B

IInd – A

IInd – B

IVth – A

IVth – B

Vth – A

Vth – B

Vth – C